हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार,15 जून 2025

13 ग्रामीण विकास मॉडल का चमकता उदाहरण बना दनचौली गांव

14 स्लम एरिया टैलेंट में मनाया पिता दिवस, केक काटकर दी सांस्कृतिक...

MR DEGREE COLLEGE
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur (Rewari)
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
COURSE AVAILABLE
B.SC. (Medical) / B.SC. (Non-Medical)
B.A. / B.COM / M.SC. (Phy. & Chem.)
B.Ed. / JBT / D-PHARMA
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
For Admission Visit College Campus
Bus Facility Available From All Routes
MITTERPURA (M/GARH) HRY.
9466886066, 9416903367, 9416903021
mrcollegemitterpura@gmail.com

खबर संक्षेप

गाड़ी चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

कनीना। कनीना रेवाडी सड़क मार्ग स्थित गांव भड़फ से गाड़ी चोरी करने के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपित की पहचान कृष्ण वासी निमोठ जिला रेवाड़ी के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपित से गाड़ी बरामद कर ली है। सिटी थाना इंचार्ज रविंद्र सिंह ने बताया कि आरोपित के खिलाफ थाना खोल रेवाड़ी में पहले से लड़ाई झगड़े का केस दर्ज है।

आज वरिष्ठ नागरिकों के लिए लगेगा दंत कैंप

नारनौल। किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में वरिष्ठ नागरिक संगठन कार्यालय में 15 जून को सुबह 10 बजे से दो बजे तक निःशुल्क दंत चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने बताया कि 15 जून को श्री महालक्ष्मी डेंटल क्लीनिक, सिंघाणा रोड के तत्वावधान में संगठन कार्यालय प्रांगण में निःशुल्क दंत चिकित्सा एवं जांच शिविर में दांतों के रोग की जांच व उनका निःशुल्क इलाज एवं परामर्श वरिष्ठ दन्त सर्जन डा. निति प्रतिभा करेंगे। मरीजों का रजिस्ट्रेशन दिनांक 15 जून को सुबह 9 बजे ही आरम्भ किया जाएगा। यह शिविर केवल वरिष्ठ नागरिकों के लिए होगा।

अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण समारोह आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव नीरपुर राजपूत में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण समारोह आज 15 जून को सुबह सवा नौ बजे किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार रहेंगे। वहीं पंचायत समिति अटेली नांगल की वॉइस चैयरमेन सरिता यादव, अटेली नगर पालिका के चैयरमेन संजय गोयल, कृष्ण कुमार राजपुरा, रूप सिंह के अलावा गांव के सरपंच रतन पाल विशिष्ट होंगे।

गर्मी में राहगीरों के लिए लगाया वाटर कूलर

नारनौल। मोहनपुर बुहाना रोड पर शनिवार को वाटर कूलर का उद्घाटन मोहनपुर गांव के नागरिकों की ओर से सामूहिक रूप से किया गया। इस अवसर पर भवानी सिंह, गोकल नाई, राजेश चौधरी, दिवान उर्फ बोबी, राजा, कर्मवीर डेलीगेट, केवल सरपंच, सतेंद्र, राजेश व समस्त ग्रामवासी के हाथों से वाटर कूलर का उद्घाटन किया गया। इससे गर्मी में बुहाना की तरफ जाने वालों को ठंडे पानी का लाभ मिलेगा।

एनएसएस शिविर की सीएम विंडो जांच में कैडेटों ने स्वयं बनाया खाना

स्कूल प्रशासन ने फर्जी बिल लगाकर दुकानदार के खाते में डाली रकम

स्कूल के रिकार्ड में एनएसएस शिविर को दिन रात लगाया गया, लेकिन कैडेटों व शिविर इंचार्ज ने किया इंकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक नांगल चौधरी में एनएसएस शिविर के बजट में अनियमिताएं बरतने की जांच सीएम विंडो ने पूरी कर ली है। जांच रिपोर्ट में शिविर दिन में लगाया तथा रात को सभी कैडेटों को घर भेज दिया। दूसरी तरफ फर्जी बिलों का इस्तेमाल करके रात्रि के भोजन का बजट भी विड्राल करवा लिया। भोजन बनाने के ठेके में भी धांधली होने की पुष्टि हुई है। बीईओ ने रिपोर्ट को सीएम विंडो के पोर्टल पर अपलोड कर दिया है। जानकारी के मुताबिक विभागीय निर्देशानुसार स्कूल में दो से आठ जनवरी तक सात दिवसीय एनएएस शिविर लगाया गया था। जिसमें शामिल सभी 50 कैडेटों को शामिल किया गया तथा उनकी अगुवाई के लिए शिक्षक स्टॉफ की ड्यूटी लगाई थी। विभाग ने 100 रुपये प्रति एनएसएस कैडेट के हिसाब से 35000 बजट मुहैया कराया गया था। इस बजट राशि से कैडेटों को पौष्टिक भोजन खिलाने की हिदायत दी गई थी। विभाग की हिदायतों के अनुसार खाना पकाने का टैंडर छोड़ना चाहिए था। इस प्रक्रिया में सभी ठेकेदारों की जीएसटी पंजीकृत कोटेशन होनी अनिवार्य की गई थी, लेकिन स्कूल प्रशासन ने धरातल पर खाना बनाने का कोई टैंडर नहीं छोड़ा, कैडेटों से भोजन तैयार कराया गया था। भोजन पकाने के लिए स्कूल में पड़े फर्नीचर का जलाने के आरोप सामने आए हैं। कैंप का समापन होने के बाद हलवाई, सब्जी व अन्य सामग्री का भुगतान करना था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि हलवाई ने स्कूल को 18500 का बिल थमाया था, लेकिन स्कूल कमेटी ने 20 फरवरी को हलवाई के बैंक खाते में 35000 डाल दिए, साथ ही फालतू रकम को एडजेस्ट करने के लिए हलवाई से खाली बिल की एक प्रति लेने की शिकायत सीएम विंडो पर दर्ज हुई थी। जिस पर हलवाई की फर्जी लिखाई करके कंप्लीट 35000 बजट की लीपापोती की गई है। धांधली की भनक लगने पर एसएमसी प्रधान ने तुरंत शिविर के इंचार्ज तथा हलवाई से संपर्क किया।

उस दौरान दौरान दुकानदार ने 18500 रुपये विभिन्न सामग्री का लेना कबूला है, साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि स्कूल प्रशासन ने खाते में 35000 डाल दिए और खाली बिल लेकर गए हैं। जिसका इस्तेमाल कहां हुआ इसकी जानकारी होने से इंकार किया है। पूछताछ के दौरान दुकानदार ने फालतू डाली गई राशि 16500 एसएमसी प्रधान को सौंप दी थी। सीएम विंडो पर दर्ज शिकायत में प्रधान ने आरोप लगाया कि स्कूल में फर्नीचर पड़ा हुआ था। जिसका इस्तेमाल एनएसएस शिविर में खाना पकाने के लिए हुआ है। जबकि विभागीय नियमानुसार सरकारी कबाड़ का टैंडर छोड़ना अनिवार्य होता है।

ठेका प्रक्रिया में बरती धांधली

सोहनलाल को खाना बनाने का ठेका अलॉट

सीएम विंडो की जांच में स्कूल प्रशासन ने सोहनलाल धाकड़ ठेकेदार को खाना बनाने का टैंडर छोड़ा है तथा उसी ने दिन और रात का खाना बनाकर कैडेटों को खिलाया है, लेकिन सोहनलाल ने स्कूल के रिकार्ड को झूठा करार दिया, कहा कि उन्होंने सामग्री दी थी। जिसके 18500 रुपये वसूले हैं। बैंक खाते में 35 हजार रुपये डाले गए थे। यह फालतू रकम एसएमसी प्रधान को सौंप दी थी।

जीएसटी के मापदंडों पर उत्तीर्ण नहीं कोटेशन व बिल

अशोक कुमार, सुरेंद्र सिंह, रामपत ने बताया कि सीएम विंडो जांच में अभी भी कोताही बरती गई है, क्योंकि रिपोर्ट में कोटेशन और बिल जीएसटी के मापदंडों पर उत्तीर्ण हैं या नहीं इसकी पुष्टि नहीं हुई। 35 हजार राशि को खर्च करने के लिए जीएसटी पोर्टल पर पंजीकृत कोटेशन आमंत्रित करना अनिवार्य है। कम रेट वाली कोटेशन को सलेक्ट करके टैंडर अलॉट होना चाहिए, लेकिन बिना जीएसटी की

एनएसएस शिविर की जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी

बीईओ सुनीता यादव ने बताया कि सीनियर सेकेंडरी स्कूल नांगल चौधरी के एनएसएस शिविर में अनिमिताओं की शिकायत सीएम विंडो पर दर्ज हुई थी। जिसकी जांच कमेटी ने पूरी कर ली तथा पोटर्ल पर अपलोड कर दी है। जिसका अवलोकन करके उच्चाधिकारी ही आगामी कार्रवाई का निर्णय लेंगे। उन्होंने जांच रिपोर्ट में अनियमिताएं बरती जाने की पुष्टि की है।

गंदगी सड़कों व गलियों में डालने से लोगों को परेशानी

नालों की सफाई कर गंदगी सड़क पर, शहर की बिगाड़ दी सूरत

नगर परिषद बरसात से पहले करवा रही है नालों की सफाई, लेकिन उनकी गंदगी खुलेआम डालने से लोगों का जीवन बन रहा है नरक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। पार्क गली में डाली नालों की गंदगी व नप से महावीर चौक सड़क मार्ग पर दुकानों के सामने डाली गंदगी। फोटो :हरिभूमि

नगर परिषद द्वारा नालों की सफाई के दौरान गंदगी सड़कों और गलियों में डालने एवं उसके फैल जाने से आमजन परेशान हैं। इस गंदगी के कारण दुर्गंध और बदबू फैल गई है, जिससे बाजार में दुकानदारी भी ठप हो गई है, वहीं आमजन का गंदगी से जीना मुहाल हो गया है। लोगों का कहना है कि नगर परिषद की इस लापरवाही के कारण उन्हें भारी परेशानी हो रही है।

आम जनता परेशान

नगर परिषद द्वारा बरसात से पहले नालों की सफाई का कार्य किया जा रहा है। अब तक नगर परिषद अपने कार्यालय से महावीर चौक, पार्क गली, नई सराय, जमालपुर आदि में कार्य प्रगति पर है, लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि सफाई किए जाने के बाद गंदगी को सड़कों और गलियों में ही डाला जा रहा है और इस गंदगी के फैलने से आम जनता परेशान है। इस गंदगी के कारण दुर्गंध और बदबू फैल गई है, जिससे बाजार में दुकानदारी भी ठप हो गई है। महावीर चौक मार्ग, पार्क गली और रविदास मार्ग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में गंदगी की भरमार है। नालों की सफाई के दौरान गंदगी को सही तरीके से नहीं उठाया गया, जिससे यह सड़कों और गलियों में फैल गई। अन्यथा इस गंदगी को नालों की सफाई के वक्त ही ट्रैक्टर–ट्रालियों में भरकर किसी दूर अन्य स्थान पर भी डाला जा सकता था, लेकिन न तो ट्रैक्टर–ट्रालियों में गंदगी से पहले प्लास्टिक के तिरपाल डाले और न ही ट्रैक्टर–ट्रालियों को इस कार्य में लगाया गया और जेसीबी से नालों से गंदगी निकाल वहीं मौके पर ही सड़कों एवं गलियों में डाल दिया गया। नगर परिषद की इस लापरवाही से लोगों को परेशानी हो रही है।

नागरिकों की मांग

शहर के नागरिकों ने श्याम सुंदर सैनी, कैलाश यादव, रमेश गुप्ता, पार्क गली के दुकानदारों रोहतास सैनी, रेडीमेड वस्त्र यूनियन के प्रधान धर्मबीर यादव आदि ने नगर परिषद से मांग की है कि वे इस समस्या का समाधान करें और गंदगी को शीघ्रता से साफ करें। नागरिकों का कहना है कि नगर परिषद को नालों की सफाई के दौरान गंदगी को सही तरीके से उठाने के लिए कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में भी इस तरह की परेशानी न हो, क्योंकि सड़कों पर खुलेआम डाली गई गंदगी से उनका जीवन नरक बन गया है।

नारनौल। नई सराय जमालपुर में गली में डाली गंदगी। फोटो : हरिभूमि

पार्क गली में आवागमन बंद

शुक्रवार रात्रि को नगर परिषद ने पार्क गली में नालों की सफाई की और जेसीबी ने नालों की गंदगी को गली के बीचोंबीच डाल दिया। गंदगी को सड़क बीच डालने से पार्क गली में सवेरे से लोगों एवं वाहनों का आना–जाना बंद है। यहां केवल आधे नाले की ही सफाई की गई है, जबकि आधे नाले की सफाई किया जाना अभी बाकी है। ऐसे में हालात यहां आगे भी खराब ही बने रहेंगे, क्योंकि गंदगी को हाथोंहाथ उठाने की बजाए दो–तीन दिन बाद उठाया जा रहा है, ताकि उसकी नमी कम हो जाए और वह बहकर न चले। इसी कारण उसे सूखाने के चक्कर में गली में छोड़ा जा रहा है।

नारनौल। जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की बैठक लेते जिला अध्यक्ष आशीष गोरा। फोटो : हरिभूमि

बिजलीकर्मियों की जान से खिलवाड़

2 साल से नहीं मिले सुरक्षा उपकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ की बैठक बिजली घर स्थित प्रांगण में हुई। बैठक में भारतीय मजदूर संघ से जिला अध्यक्ष आशीष गोरा मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि दो तीन साल से बिजली कर्मचारी बिना सुरक्षा उपकरणों के कार्य करने को मजबूर हो रहे हैं। इसमें उनकी जान को हर दिन खतरा बना रहता है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष के अंदर बिजली का काम करते वक्त कई एक्सीडेंट हो चुके है। हाल ही में कनीना सब डिवीजन में कार्यरत अनुबंधित कर्मचारी मनोज व राजेश एएलएम का बिजली लाइन पर काम करते वक्त एक्सीडेंट हुआ। जिसमे अस्पताल में इलाज के दौरान राजेश का एक हाथ कट गया व दोनों पांव की दो दो अंगुली कट गई तथा मनोज एएलएम कि पांव की दो उंगलियां कट गई। दोनों हाथ जल गए, इतना सब होने के बावजूद भी अधिकारी बिजली कर्मचारियों की सुरक्षा पर ध्यान नहीं दे रहे। यदि बिजली निगम ने सभी कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण मुहैया नहीं कराए तो संघ प्रदर्शन करेगा।

अधिकारी कर रहे हैं सौतेला व्यवहार

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार कर्मचारियों की परीक्षा ले रही है। 10 जून को भारतीय मजदूर संघ के शीर्ष नेतृत्व की बैठक मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी व एचसीएस अधिकारी हिना बिंदलिश व नासा के साथ हुई। जिसमें कर्मचारियों की एसओपी पर चर्चा हुई। जिसमें उन्होंने 30 जून से पहले पत्र जारी करने का आश्वासन दिया है। अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के जिला सचिव कर्मवीर जाखड़ ने बताया कि अधिकारी कौशल के कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं। महेंद्रगढ़ के कार्यकारी अभियंतों की ओर से कल ही नौ कौशल के कर्मचारियों की नाजायज बदली कर उनके सब डिवीजन चेंज कर दिया, जबकि चीफ महोदय की ओर से पत्र जारी है कि बिना उनकी इजाजत कौशल के कर्मचारी का सब डिवीजन न बदल जाए।

यह रहे मौजूद

मौके पर मुख्य रूप से डिवीजन प्रधान रामौतार यादव, सचिव मनोज, सह सचिव करण सिंह यादव, कोषाध्यक्ष कपिल यादव, सह कोषाध्यक्ष रवि यादव, प्रेस सचिव सूरज कौशिक, उमेश एचवीपीएन समेत कार्यकारिणी के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

आंधी के साथ तेज बारिश उखड़ गए पेड़ एवं टीनशेड

नारनौल। क्षेत्र में शुक्रवार देर सायं आए तूफान ने काफी नुकसान पहुंचाया है। जगह-जगह पेड़-पौधे टूट गए। छप्पर, टीनशेड व होर्डिंग उड़ गए। इससे सबसे ज्यादा नुकसान बिजली निगम को हुआ है। इस तूफान से कई जगह बिजली के पोल के साथ पेड़ टूटकर गिर गए। इनमें सर्वाधिक निजामपुर, पवेरा, नापला, छिलरो, घाटाशेर, सहेली, गांवड़ी जाट गोलवा, नियाजलिपुर, रोपड़ सराय, धौलेड़ा, बिगोपुर, नांगल दर्गू, पांचनौता, मूसनौता, बायल, कारोली, मारोली व धानौता जैसे अन्य गांवों में नुकसान हुआ है। शुक्रवार सायं अचानक आई तेज आंधी से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। वहीं साथ में तेज हवा के साथ आई बरसात के कारण एक घंटे तक विद्युत बाधित रही। तूफान से क्षेत्र के गांव गोलवा के कृष्ण के घर के पास बनाई गई पशुओं के लिए टीनशेड उखड़ गई, जिससे उसकी पालतू भैंस घायल हो गई। वहीं टीनशेड व पेड़ों की टहनियां टूटकर दूर तक जा गिरी, जिससे पक्षी भी काल के ग्रास बन गए। जिस पर कृष्ण पुत्र जीताराम ने सरकार के साथ जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि आंधी व तूफान से हुए नुकसान जो उनके परिवार को हुआ है, उसमें उसकी मदद के तौर पर मुआवजा दिया जाए। इस संबंध मे बिजली निगम के एक कर्मचारी श्रीकांत शर्मा ने बताया कि निजामपुर सब डिविजन में एचटी व एलटी की काफी लाईन टूट गई है, जिससे निगम को भारी नुकसान हुआ है।

कार्यक्रम

हादसे के समय बस में सवारियां नहीं होने से बड़ा हादसा टला, चालक शराब के नशे में था

अनियंत्रित बस झुग्गियों में घुसी, युवक घायल, दो बकरी मरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। खोड़ मोड़ पर झुग्गियों में घुसी रोडवेज बस व बस के क्षतिग्रस्त सीटें। फोटो : हरिभूमि

खोड़ मोड़ पर हरियाणा रोडवेज की किलोमीटर स्कीम बस शनिवार दोपहर अनियंत्रित होकर पलटने से गाड़िया लुहारों की झोपड़ियों में जा घुसी, जिससे एक लुहार घायल हो गया, जबकि वहां दो बकरियों की मौत हो गई। बस अनियंत्रित होकर लुहारों की झुग्गियों में पेड़ से टकराने के कारण बड़ा हादसा टल गया। नारनौल डिपो का रोडवेज बस चालक शराब के नशे में बताया जाता है। हादसे के समय बस में सवारिया नहीं थी, केवल चालक ही था। अटेली पुलिस सूचना पा कर घटनास्थल पर पहुंच कर बस व चालक को अपने कब्जे में लेकर उसका मेडिकल करवाने के लिए अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। रोडवेज को नारनौल से कालका जाना था, लेकिन चालक द्वारा शराब के नशे में होने के कारण बस को अटेली बस स्टैंड पर सवारियों को उतार दिया, लेकिन बस चालक रोडवेज को जबरदस्ती सिहमा की तरफ लेकर चला गया और खोड़ मोड़ पर यह हादसा हो गया। चालक स्कीम के तहत रोडवेज में कार्यरत है। बस चालक निजामपुर क्षेत्र के गांव सरेली निवासी अनिल बताया जा रहा है। बस चालक की हरकत को देखते हुए पवन परिचालक ने अटेली बस स्टैंड पर आकर बस अड्डा इंचार्ज सुरेंद्र कुमार को सूचना दी की कि यह ड्राइवर गाड़ी चलाने लायक नहीं है। इसने शराब पी रखी है। नारनौल से अटेली आते वक्त चार-पांच जगह अनावश्यक ब्रेक व गाड़ी को गलत दिशा में चलाते हुए अटेली पहुंचा है। गाड़ी को जल्दी से खाली कराया जाए। उस समय बस में लगभग 20 यात्री बैठे हुए थे। उनको दूसरी बस में बैठाकर उनके स्थान के लिए छोड़ दिया गया।

इसके बारे में अटेली थाना के इंचार्ज देवेंद्र कुमार ने बताया कि ड्राइवर को अपने कब्जे में लेकर उसका मेडिकल टेस्ट करने के लिए अटेली के अस्पताल में भेज दिया। जांच होने के बाद ही बताया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने वाले निवेशकों को अक्सर यह सलाह दी जाती है कि शॉर्ट टर्म की बजाय लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट पर फोकस करें, लेकिन क्या यह सलाह आंकड़ों पर भी खरी उतरती है? इसका जवाब है हां। देश के पांच सबसे बड़े लार्ज कैप फंड्स के पिछले 1 साल, 3 साल और 5 साल के प्रदर्शन के आंकड़े इसी बात की गवाही दे रहे हैं कि समय के साथ निवेश पर मिलने वाला रिटर्न बेहतर होता है। लार्ज कैप फंड्स एक अच्छा निवेश विकल्प हो सकता है उन निवेशकों के लिए जो कम जोखिम वाले और नियमित रिटर्न वाले निवेश की तलाश में हैं। लार्ज कैप फंड्स एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश करता है। ये कंपनियां आमतौर पर उच्च बाजार पूंजीकरण वाली होती हैं और उनके पास एक स्थापित ट्रैक रिकॉर्ड होता है।

मुनाफे का मंत्र : पांच सबसे बड़े लार्ज कैप फंड्स के आंकड़ों ने निवेशकों को चौंकाया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

एक साल से बेहतर 3 साल और 5 साल का रिटर्न

इन पांचों फंड्स के पिछले 1 साल के रिटर्न की तुलना में 3 साल और 5 साल का रिटर्न बेहतर रहा है। इसे और अच्छी तरह समझने के लिए पहले इन फंड्स के पिछले प्रदर्शन के आंकड़ों को देख लेते हैं। हमने यहां जिन 5 लार्ज कैप फंड्स के 1 साल, 3 साल और 5 साल के रिटर्न के आंकड़े दिए हैं, वे एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के हिसाब से अपनी कैटेगरी में टॉप पर हैं. तुलना में आसानी के लिए इन सभी फंड्स को बड़े से छोटे एयूएम हिसाब से लिस्ट किया गया है, एनुअल रिटर्न के हिसाब से नहीं। इस लिस्ट में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रू और निप्पॉन इंडिया जैसे फंड हाउस की लार्ज कैप स्कीम शामिल हैं।

एसआईपी के जरिये करें निवेश, 19 वर्ष में हो जाएंगे करोड़पति

●

एसआईपी में हर साल करीब 15% का रिटर्न मिलने की संभावना

पांच सबसे बड़े लार्ज कैप फंड्स का पिछला प्रदर्शन

1. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ब्लूचिप फंड (डायरेक्ट)
   - 1 साल का रिटर्न : 9.73%
   - 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 21.87%
   - 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 24.71%
   - एयूएम : 70,909 करोड़ रुपये
2. एसबीआई ब्लूचिप फंड (डायरेक्ट)
   - 1 साल का रिटर्न: 9.28%
   - 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 18.74%
   - 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 22.52%
   - एयूएम: 52,994 करोड़ रुपये
3. निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड (डायरेक्ट)
   - 1 साल का रिटर्न: 10.02%
   - 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 25.14%
   - 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 27.69%
   - एयूएम : 42,863 करोड़ रुपये
4. मिराए एसेट लार्ज कैप फंड (डायरेक्ट)
   - 1 साल का रिटर्न: 11.11%
   - 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 17.01%
   - 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 21.28%
   - एयूएम : 40,204 करोड़ रुपये
5. एचडीएफसी लार्ज कैप फंड (डायरेक्ट)
   - 1 साल का रिटर्न: 6.34%
   - 3 साल का औसत सालाना रिटर्न: 20.19%
   - 5 साल का औसत सालाना रिटर्न: 23.88%
   - एयूएम : 38,297 करोड़ रुपये

रिटर्न के आंकड़ों का संकेत

ऊपर दिए आंकड़ों आंकड़ों से एक बात स्पष्ट होती है—इन सभी स्कीम्स का सालाना रिटर्न निवेश की अवधि के साथ-साथ बढ़ा है। इन फंड्स का 1 साल का रिटर्न 6.34 फीसदी से 11.11 फीसदी के बीच है। इक्विटी में निवेश पर लिए जाने वाले रिस्क को ध्यान में रखकर देखें तो इस रिटर्न को बहुत आकर्षक नहीं माना जाएगा। लेकिन इन्हीं फंड्स के 3 साल के एनुअल रिटर्न के आंकड़े 17 फीसदी से 25 फीसदी तक जाते हैं। वहीं, 5 साल के आंकड़ों में यह सालाना रिटर्न 21 फीसदी से 27 फीसदी तक चला गया है। कुल मिलाकर 1 साल, 3 साल और 5 साल के औसत सालाना रिटर्न के आंकड़े यही संकेत दे रहे हैं कि इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में लंबी अवधि का निवेश बेहतर रिटर्न दे सकता है।

शॉर्ट टर्म से क्यों बेहतर है लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी

शॉर्ट टर्म इनवेस्टमेंट में निवेशक जल्दी रिटर्न की उम्मीद करते हैं, लेकिन इसमें मार्केट टाइमिंग का रिस्क ज्यादा होता है। वहीं, लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट में कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है, जो धीरे-धीरे निवेश को बड़ा बनाता है। मिसाल के तौर पर अगर कोई निवेशक 5 साल तक एसआईपी करता है, तो उसे एवरेजिंग की वजह से लॉन्ग टर्म में बेहतर रिटर्न की मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में बाजार की अस्थिरता सामान्य बात है. एक-दो साल में बाजार गिर भी सकता है और रिटर्न नेगेटिव या कम हो सकता है, लेकिन लंबी अवधि में कंपनियों की ग्रोथ और बाजार की रिकवरी से निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आमतौर पर बेहतर हो जाता है। इसीलिए 5 साल या उससे ज्यादा की अवधि के लिए निवेश करने पर रिटर्न में स्थिरता और ग्रोथ दोनों मिलती है।

लार्ज कैप फंड्स की विशेषताएं

- बड़ी कंपनियों में निवेश : लार्ज कैप फंड्स बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं जो आमतौर पर उच्च बाजार पूंजीकरण वाली होती हैं।
- स्थिरता : लार्ज कैप फंड्स आमतौर पर अधिक स्थिर होते हैं क्योंकि वे बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं।
- नियमित रिटर्न : लार्ज कैप फंड्स नियमित रिटर्न प्रदान कर सकते हैं क्योंकि वे बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं जो आमतौर पर स्थिर लाभांश प्रदान करती हैं।

लार्ज कैप फंड्स के फायदे

- कम जोखिम : लार्ज कैप फंड्स आमतौर पर कम जोखिम वाले होते हैं क्योंकि वे बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं।
- नियमित रिटर्न : लार्ज कैप फंड्स नियमित रिटर्न प्रदान कर सकते हैं क्योंकि वे बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं जो आमतौर पर स्थिर लाभांश प्रदान करती हैं।
- विविधीकरण : लार्ज कैप फंड्स पोर्टफोलियो में विविधीकरण लाने में मदद कर सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ में फिर बढ़ा निवेशकों का भरोसा

■ सबसे बड़े फंड्स ने 1 साल में दिया 33 से 35% तक रिटर्न ■ तीन साल की अवधि में एनुअल रिटर्न 22% से ज्यादा रहा है ■ गोल्ड में स्टेबिलिटी और सुरक्षा नजर आ रही ■ 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 292 करोड़ रुपये का इनफ्लो आया

पैसे की बात
बिजनेस डेस्क

क्यों लौटने लगा निवेशकों का रुझान

मार्च में 77.21 करोड़ और अप्रैल में 5.82 करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो दर्ज करने के बाद मई में गोल्ड ईटीएफ में 292 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसकी प्रमुख वजह रही गोल्ड की कीमतों में मजबूती और ग्लोबल लेवल पर आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता। मई में गोल्ड ईटीएफ ने औसतन 1.10% रिटर्न दिया, जिसमें टाटा गोल्ड ईटीएफ 2.53% के रिटर्न के साथ टॉप पर रहा। यह संकेत है कि निवेशक अब फिर से गोल्ड को एक सुरक्षित एसेट के रूप में प्राथमिकता देने लगे हैं।

टॉप गोल्ड ईटीएफ फंड्स का पिछला प्रदर्शन

देश के प्रमुख गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स के पिछले प्रदर्शन को देखने से पता चलता है कि सोने जैसे सुरक्षित एसेट में निवेश करके भी इन्होंने 1 और 3 साल में काफी आकर्षक रिटर्न दिए हैं। हमने इस लिस्ट में सिर्फ उन टॉप गोल्ड ईटीएफ को शामिल किया है, जिनका एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) कम से कम 1000 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा है.

ईटीएफ का नाम	1 साल का रिटर्न	3साल का रिटर्न
- यूटीआई गोल्ड ईटीएफ	35.25%	22.87%
- एयूएम : 1,943 करोड़ रुपये		
- एक्सिस गोल्ड ईटीएफ	33.99%	22.29%
- एयूएम : 1,809 करोड़ रुपये		
- आईसीआईसीआई प्रूडेंटल गोल्ड ईटीएफ	33.91%	22.31%
- एयूएम :	7,694 करोड़ रुपये	
- आदित्य बिरला सनलाइफ गोल्ड ईटीएफ	33.83%	22.23%
- एयूएम : 1,163 करोड़ रुपये		
- कोटक गोल्ड ईटीएफ :	33.74%	22.23%
- एयूएम : 7,639 करोड़ रुपये		
- एसबीआई गोल्ड ईटीएफ :	33.66%	22.10%
- एयूएम : 8,132 करोड़ रुपये		
- निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड बीईईएस :	33.52%	22.08%
- एयूएम : 21,120 करोड़ रुपये		
- एचडीएफसी गोल्ड ईटीएफ :	33.38%	22.21%
- एयूएम : 10,093 करोड़ रुपये		

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बढ़ा निवेश

एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 की पहली तिमाही में ग्लोबल लेवल पर भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश 170% की सालाना वृद्धि के साथ 552 टन तक पहुंच गया। पिछले तीन सालों में यह सबसे बड़ी तिमाही डिमांड रही। इसका श्रेय ट्रेड टेंशन, जियोपॉलिटिकल अस्थिरता और गोल्ड प्राइस में तेजी को दिया जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि गोल्ड-बैक्ड ईटीएफ की होल्डिंग्स 226 टन बढ़कर 3445 टन तक पहुंच गई हैं।

निवेश रणनीति में गोल्ड ईटीएफ की अहमियत

गोल्ड ईटीएफ को निवेश पोर्टफोलियो में एक बैलेंस बनाने वाले एसेट के रूप में देखा जाता है। यह न सिर्फ पोर्टफोलियो को ज्यादा सुरक्षित बनाता है, बल्कि बाजार की अस्थिरता के समय स्टेबल रिटर्न भी देता है। गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने के लिए डिमैट और ट्रेडिंग अकाउंट की जरूरत होती है और इनकी हर यूनिट फिजिकल गोल्ड की एक तय क्वांटिटी (आमतौर पर 1 ग्राम) से जुड़ी होती है। गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों की वापसी और पिछले रिटर्न के आंकड़े इस बात का संकेत हैं कि बाजार में अस्थिरता के समय गोल्ड एक भरोसेमंद विकल्प बना हुआ है। चाहे वह घरेलू निवेशक हों या अंतरराष्ट्रीय संस्थान, सबके लिए गोल्ड एक महत्वपूर्ण एसेट क्लास बना हुआ है।

गोल्ड ईटीएफ की विशेषताएं

- सोने की कीमतों के साथ जुड़ावः गोल्ड ईटीएफ की कीमतें सोने की कीमतों के साथ जुड़ी होती हैं।
- एक्सचेंज पर कारोबारः गोल्ड ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं और इनमें निवेश करने के लिए आप शेयर बाजार में कारोबार कर सकते हैं।
- निवेश की सुविधाः गोल्ड ईटीएफ में निवेश करना आसान है और आप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेश कर सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ के फायदे

- सोने की कीमतों में भागीदारीः गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने से आपको सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव के अनुसार रिटर्न मिल सकता है।
- विविधीकरणः गोल्ड ईटीएफ पोर्टफोलियो में विविधीकरण लाने में मदद कर सकता है।
- लिक्विडिटीः गोल्ड ईटीएफ में निवेश करना लिक्विड है और आप आसानी से अपने निवेश को बेच सकते हैं।

बच्चे की हायर एजुकेशन की नहीं होगी टेंशन
रोजाना 70 रुपये बचा बनाएं लाखों का फंड

समझदारी
बिजनेस डेस्क

पोस्ट ऑफिस की पीपीएफ स्कीम में लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट ऑप्शन आप न्यूनतम 500 और अधिकतम 1.5 लाख सालाना करें निवेश

शादी के बाद अधिकतर कपल्स के मन में सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि आने वाले समय में बच्चों की पढ़ाई का खर्च कैसे उठाएं? मौजूदा दौर में एजुकेशन बहुत महंगी होती जा रही है। स्कूल फीस से लेकर यूनिफॉर्म, कॉपी-किताबें और एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज तक, हर चीज में मोटा खर्च आता है। ऐसे में अगर आप अभी से सही प्लानिंग करें, तो भविष्य की टेंशन से बचा जा सकता है। पोस्ट ऑफिस की एक खास स्कीम आपकी इसी चिंता को दूर कर सकती है। इसमें निवेश कर आप बच्चों की एजुकेशन के लिए मजबूत फंड बना सकते हैं। अगर आप बच्चों की हायर एजुकेशन के लिए एक सुरक्षित और गारंटीड रिटर्न वाला निवेश विकल्प ढूंढ़ रहे हैं, तो पोस्ट ऑफिस की पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) स्कीम आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। इस स्कीम में सिर्फ 70 रुपये रोजाना यानी 2,100 महीने की बचत से आप 15 साल में एक अच्छा खासा फंड तैयार कर सकते हैं।

क्या है पोस्ट ऑफिस की पीपीएफस्कीम

पोस्ट ऑफिस की पीपीएफस्कीम एक लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट ऑप्शन है, जिसमें आप न्यूनतम 500 रुपये और अधिकतम 1.5 लाख रुपये सालाना निवेश कर सकते हैं। इस पर सरकार की तरफ से सालाना 7.1% ब्याज दिया जाता है और मैच्योरिटी पीरियड 15 साल का होता है।

70 रुपये रोजाना बचत से कैसे मिलेगा 6.78 लाख

अगर आप हर दिन 70 रुपये बचाकर हर महीने पीपीएफ अकाउंट में 2,100 रुपये जमा करते हैं, तो एक साल में आपका कुल निवेश 25,200 रुपये होगा। इस तरह 15 साल में आप 3.75 लाख रुपये का निवेश करेंगे। ब्याज मिलाकर 15 साल बाद आपको 6,78,035 रुपये मिल सकते हैं।

बच्चों की पढ़ाई का खर्च होगा आसान : 15 साल बाद यही रकम आपके बच्चों की हायर एजुकेशन, कॉलेज फीस या अन्य जरूरतों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। यह स्कीम खासतौर पर उन पैरेंट्स के लिए फायदेमंद है जो कम बजट में भी एक सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश चाहते हैं।

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ खाता क्या है

पोस्ट ऑफिस की पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) स्कीम एक भरोसेमंद निवेश विकल्प है, जो लंबे समय के लिए रिटायरमेंट फंड बनाने में मदद करती है। इस योजना के तहत निवेशकों को 15 साल की अनिवार्य लॉक-इन अवधि के साथ खाता खोलना होता है। यानी, खाता खोलने के बाद 15 साल तक इसे बंद नहीं किया जा सकता। हालांकि, 7वें साल से कुछ शर्तों के साथ आंशिक निकासी की अनुमति मिलती है। इस स्कीम की सबसे बड़ी खासियत इसका आकर्षक ब्याज दर और टैक्स में छूट है। आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत इसमें निवेश करने पर टैक्स लाभ मिलता है। इसके अलावा, निवेशक को लोन सुविधा, खाता 5-5 साल की अवधि में आगे बढ़ाने की सुविधा भी मिलती है।

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ कैलकुलेटर क्या है?

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ कैलकुलेटर एक आसान ऑनलाइन टूल है, जो सेकेंडों में जटिल गणनाएं कर देता है। इस कैलकुलेटर की मदद से आप यह पता कर सकते हैं कि निश्चित समयावधि और निवेश की आवृत्ति के आधार पर आपको हर साल कितना रिटर्न मिलेगा और कुल परिपक्वता राशि कितनी होगी।

कैलकुलेटर कैसे इस्तेमाल करें?

- हर साल आप कितनी राशि जमा करेंगे, उसे दर्ज करें।
- ब्याज दर और निवेश की अवधि डालें।
- कैलकुलेटर अपने-आप अनुमानित ब्याज और मैच्योरिटी अमाउंट दिखा देगा।
- इस तरह यह कैलकुलेटर यह तय करने में मदद करता है कि आपने जो निवेश चुना है, वह आपके वित्तीय लक्ष्य के अनुरूप है या नहीं।

पोस्ट ऑफिस पीपीएफ कैलकुलेटर के फायदे

- सेकेंडों में रिजल्ट
- निवेश और ब्याज का सालाना विश्लेषण
- टैक्स प्लानिंग में मदद
- वित्तीय योजना बनाने में सहायक

करोड़पति बनने का भी शॉर्टकट

मात्र 10,000 का निवेश कर देगा मालामाल

बिजनेस डेस्क

करोड़पति बनने में कितना समय लगता है? यह ऐसा सवाल है जिसे अक्सर काफी लोग पूछते हैं। देखा जाए तो करोड़पति बनना बहुत आसान है, लेकिन इसके लिए कई तरह के त्याग करने की जरूरत पड़ती है। वैसे तो किसी भी चीज का कोई शॉर्टकट नहीं होता, लेकिन अगर आप करोड़पति बनने का सोच लें, तो इसका शॉर्टकट जरूर निकल आता है। हालांकि यह शॉर्टकट इतना भी शॉर्ट नहीं है। आप मात्र 10 हजार रुपये हर महीने इन्वेस्ट करके बहुत जल्दी करोड़पति बन सकते हैं। दरअसल, एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान एक ऐसा तरीका है जिससे आप हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा लगाकर लंबे समय में अच्छा पैसा बना सकते हैं। अगर आपको हर साल लगभग 15% का रिटर्न मिले, तो आप मात्र 19 साल में 1 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की रकम इकट्ठी कर सकते हैं।

कैसे बन सकते हैं करोड़पति?

एसआईपी म्यूचुअल फंड में निवेश करने का तरीका है। इसके जरिए आप थोड़ी-थोड़ी रकम हर महीने निवेश करके बड़ा फंड इकट्ठा कर सकते हैं। इसमें मिलने वाला चक्रवृद्धि ब्याज इस निवेश की सबसे बड़ी ताकत होता है। अगर आप एसआईपी के जरिए 10 हजार रुपये हर महीने म्यूचुअल फंड में निवेश करने हैं और आपको 15 फीसदी सालाना ब्याज मिलता है तो मात्र 19 साल में ही आप एक करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम इकट्ठी कर लेंगे। 10 हजार रुपये हर महीने निवेश करने से आप 19 साल में 22,80,000 रकम निवेश करेंगे। इस पर आपको 91,47,124 रुपये का ब्याज मिलेगा। यह ब्याज 15 फीसदी सालाना की दर से होगा। इस प्रकार आप 19 साल में 1.14 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम इकट्ठी कर लेंगे। यानी आप 19 साल में करोड़पति बन जाएंगे।

अगर 10 हजार रुपये से कम करें तो?

अगर आप 10 हजार रुपये महीने निवेश नहीं कर सकते तो भी आपको करोड़पति बनने से कोई नहीं रोक सकता। आप कम रकम निवेश करके भी करोड़पति बन सकते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कुछ ज्यादा इंतजार करना पड़ेगा। अगर आप 10 की जगह 8 हजार रुपये या 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करके भी करोड़पति बन सकते हैं। अगर आप 8 हजार रुपये हर महीने निवेश करते हैं तो आपको करोड़पति बनने में 20 साल लगेंगे। वहीं अगर आप 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करते हैं तो आप 23 साल में करोड़पति बन जाएंगे।

एसआईपी क्यों है फायदे का सौदा?

एसआईपी वित्तीय अनुशासन को भी बढ़ावा देता है। इससे लोगों को रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने जैसे लक्ष्यों के लिए थोड़ा-थोड़ा पैसा अलग रखने में आसानी होती है। इसका एक और बड़ा फायदा है कंपाउंडिंग। कंपाउंडिंग का मतलब है कि आपको अपने निवेश पर जो रिटर्न मिलता है, उस पर भी रिटर्न मिलता है। इससे समय के साथ आपकी संपत्ति तेजी से बढ़ती है। निवेश की अवधि जितनी लंबी होगी, कंपाउंडिंग का असर उतना ही ज्यादा होगा।

करोड़पति बनने के लिए रणनीतियां

- नियमित निवेशः नियमित निवेश करने से आपको अपने पैसे को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।
- विविधीकरणः अपने निवेश को विभिन्न प्रकार की सिक्योरिटीज में विभाजित करने से आपको जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

- लंबी अवधि का दृष्टिकोणः लंबी अवधि के लिए निवेश करने से आपको अपने पैसे को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।
- वित्तीय अनुशासनः वित्तीय अनुशासन बनाए रखने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- शिक्षा और ज्ञानः वित्तीय शिक्षा और ज्ञान प्राप्त करने से आपको अपने वित्तीय निर्णयों को निर्देशित करने में मदद मिल सकती है।

करोड़पति बनने के लिए कुछ आदतें

- बचतः नियमित बचत करने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- निवेशः नियमित निवेश करने से आपको अपने पैसे को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।
- वित्तीय योजनाः वित्तीय योजना बनाने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- जोखिम प्रबंधनः जोखिम प्रबंधन करने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- धैर्यः धैर्य बनाए रखने से आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- करोड़पति बनने के लिए कोई शॉर्टकट नहीं है, लेकिन सही रणनीतियों और आदतों को अपनाकर आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

मंडी अटेली। प्रोटोकॉल शिविर में योग करते हुए। फोटो : हरिभूमि

तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर संपन्न

मंडी अटेली। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शशिबाला व जिला योग को ऑर्डिनेटर डॉ. सतीश कुमार के मार्गदर्शन में शनिवार को तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का समापन राजकीय महिला महाविद्यालय अटेली मंडी में हो गया। शिविर के अंतिम और तीसरे दिन अटेली के खंड राजस्व अधिकारी व जिला प्रमुख डॉ.राकेश कुमार बतौर मुख्य अतिथि शिविर में उपस्थित रहे। इस मौके पर अटेली खण्ड राजस्व अधिकारी दलबीर दुग्गल, जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार व आयुष विभाग की चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनामिका ने भगवान धन्वंतरि के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया।

मंडी अटेली। नौकरियों के लिए चयनित छात्रों का स्वागत करते हुए हरिभूमि

नौकरियों के लिए चयनित छात्रों का किया अभिनंदन

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव चंदपुरा के छात्र विभिन्न नौकरियों में चयनित हुए हैं, जिसको लेकर ग्रामीणों ने गांव में उनका अभिनंदन कर स्वागत किया। स्वर्गीय सरपंच रोशन लाल की धर्मपत्नी कलावती देवी ने अपने पौत्र सोमवीर कस्टम विभाग में इंस्पेक्टर, दोहिती प्रीति के हरियाणा स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सा अधिकारी, दोहिता सोनू यादव के पंजाब नेशनल बैंक में आईटीओ के पद पर सिलेक्शन हुए हैं। इस समारोह में उपस्थित प्रबुद्ध जनों ने तीनों बच्चों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

आज से जजपा का सदस्यता अभियान का शुभारंभ

नारनौल। जननायक जनता पार्टी की ओर से नए सदस्यता अभियान की शुरूआत 15 जून को जिला में शुरू होगी। इस संबंध में जिला प्रवक्ता विजय छिलरो ने बताया कि सोमवार को सुबह 10 बजे जिला कार्यालय नारनौल में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्यातिथि राष्ट्र कार्यकारणी के सदस्य व जिला महेंद्रगढ़ के प्रभारी राकेश जाखड़ होंगे।

12 टीमें करेगी मलेरिया के लारवा की जांच

कनीना। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेहलंग में शनिवार मलेरिया उन्मूलन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अस्पताल प्रभारी डॉ. प्रभा देवी ने कहा कि जून माह को मलेरिया रोधी माह के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि मलेरिया उन्मूलन को लेकर सीएचसी सेहलंग के एरिया में स्वास्थ्य कर्मियों की 12 टीमों का गठन किया गया है, जो घर घर जाकर के एंटी लारवा पर काम करेगी।

मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण अभियान चलेगा, मतदान केंद्रों का भी होगा रेशनेलाईजेशन

- 1 जनवरी 2026 मानी जाएगी क्वालीफाइंग तिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मौजूद डीसी डॉ. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एक जनवरी 2026 को क्वालीफाइंग तिथि मानकर मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। यानी जो युवा एक जनवरी 2026 को 18 साल के होंगे वे भी वोट बनवा सकते हैं। इसी अभियान के संबंध में गतदिवस हरियाणा मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने राज्य के सभी उपायुक्त के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। इसके बाद उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिए कि इस अभियान के दौरान सभी पात्र नागरिकों का वोट बनाया जाए। इसके अलावा इस अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की त्रुटि को ठीक करने का भी अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों का रेशनेलाईजेशन के दौरान 1200 से अधिक मतदाता पर अलग मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि जल्द ही नए बीएलओ की नियुक्ति करें तथा ईआरओ नेट पर उनके डेटा अपडेट करें। इसके अलावा राजनीतिक दलों के साथ बैठक लें। इस संबंध में सभी ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ और सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया जाए। इस मौके पर नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार, कनीना के एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह, एसडीएम रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार तथा तहसीलदार चुनाव सुरेन्द्र सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

ये फार्म किए जाएंगे प्रयोग

डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग फॉर्म भरने होंगे। नाम जुड़वाने के लिए (नए मतदाता के रूप में पंजीकरण) यदि आप एक नए मतदाता के रूप में अपना नाम जुड़वाना चाहते हैं, तो आपको फॉर्म छह भरना होगा।

नाम कटवाने या हटवाने के लिए

यदि आप अपना नाम मतदाता सूची से हटवाना चाहते हैं (जैसे मृत्यु, स्थानांतरण, या दोहरी प्रविष्टि के कारण), तो इसके लिए फॉर्म सात का उपयोग किया जाता है।

प्रवासी भारतीय द्वारा पंजीकरण के लिए

यदि आप एक प्रवासी भारतीय (भारत से बाहर रहने वाले भारतीय नागरिक) हैं और मतदाता के रूप में पंजीकरण करवाना चाहते हैं, तो इसके लिए फॉर्म छह ए भरा जाता है।

मतदाता सूची में नाम दर्ज करने का ऑनलाइन तरीका

राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल तथा भारत निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

ऑफलाइन तरीका

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने कटवाने संबंधित कार्य के लिए संबंधित फार्म भरकर अपने बूथ लेवल अधिकारी से मिले। यह फॉर्म निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/ सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और बूथ स्तर अधिकारियों के कार्यालयों में भी मुफ्त में उपलब्ध होता है।

नाम में संशोधन या सुधार के लिए

मतदाता सूची में अपने नाम, पते, जन्मतिथि, या किसी अन्य विवरण में सुधार या संशोधन करवाने के लिए आपको फॉर्म आठ भरना होगा। विधानसभा क्षेत्र के भीतर निवास स्थान के परिवर्तन के लिए पहले, एक ही विधानसभा क्षेत्र के भीतर एक मतदान केंद्र से दूसरे मतदान केंद्र पर नाम स्थानांतरित करने के लिए फॉर्म आठ ए का उपयोग होता था। अब, यह कार्य भी फॉर्म आठ के माध्यम से ही किया जाता है।

चारों ओर हरियाली के साथ शुद्ध हवा बिखेर रही अपनी छटा

ग्रामीण विकास मॉडल का चमकता उदाहरण बन चुका दनचौली गांव

- खेल, संस्कृति व विकास का गजब का संगम
- ग्रामीण उत्थान की एक अनूठी मिसाल पेश कर रहे नागरिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। ओपन जिम में अभ्यास करते ग्रामीण व खेल मैदान में अभ्यास करते युवा। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा राजस्थान की सीमा से सटा महेंद्रगढ़ जिले का छोटा सा गांव दनचौली अब अपनी एक खास पहचान बना चुका है। चारों ओर हरियाली तथा शुद्ध हवा के साथ यह गांव वास्तव में ग्रामीण विकास का एक चमकता हुआ उदाहरण बन गया है। नलवाटी क्षेत्र में स्थित दनचौली अपनी सांस्कृतिक विरासत और भौगोलिक विशेषताओं के लिए जाना जाता है। इसका सबसे बड़ा आकर्षण है जगमाल छिल्लर खेल ग्राउंड, जो युवाओं के सपनों की उड़ान का अड्डा बन गया है।

गांव के पूर्व सरपंच सतीश कुमार बताते हैं कि जगमाल छिल्लर खेल ग्राउंड का निर्माण 2018 में हुआ था। करीब 3.5 एकड़ में फैला यह मैदान, राष्ट्रीय पदक विजेता और वर्तमान में बीएसएफ में कार्यरत जगमाल छिल्लर के नाम पर रखा गया है, जो गांव के लिए गर्व की बात है। हाल ही में हरियाणा सरकार ने इस मैदान के साथ एक अत्याधुनिक व्यायामशाला भी बनवाई है, जिसमें प्रशिक्षित ट्रेनर की देखरेख में लगभग 200 लड़के लड़कियां विभिन्न प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे हैं। यह खेल मैदान सिर्फ एक अभ्यास स्थल नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, अनुशासन और एकजुटता का केंद्र बन चुका है। पंचायत समिति सदस्य जोगेंद्र छिल्लर बताते हैं कि आसपास के गांवों से भी युवा यहां सुबह शाम तैयारी करने आते हैं। इस मैदान से प्रशिक्षण लेकर कई युवा सेना, पुलिस और अन्य सेवाओं में भर्ती हो चुके हैं, जो इस मैदान के महत्व को दर्शाता है। सुबह और शाम का नजारा किसी पहाड़ी पर्यटन स्थल से कम नहीं होता, जहां हंसते बोलते बुजुर्ग और दौड़ते बच्चे

हर साल खेल प्रतियोगिताएं 10 लाख तक के ईनाम

दनचौली में हर वर्ष आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताएं एक बड़े मेले का रूप ले लेती हैं। 400 मीटर और 1600 मीटर दौड़, 21 किलोमीटर की मैराथन, महिला मटका दौड़, बुजुर्गों की दौड़, वॉलीबॉल, लॉन्ग जंप और हाई जंप जैसे इवेंट्स में खिलाड़ी पूरे जोश के साथ हिस्सा लेते हैं। इन आयोजनों में 10 लाख रुपये तक के इनाम और ट्राफियां बांटी जाती हैं, जो ग्रामीण क्षेत्र में खेल को बढ़ावा देने की एक मिसाल है। हाल ही में आयोजित खेल प्रतियोगिता में भी खिलाड़ियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया, जो खेल के प्रति उनके जुनून को दर्शाता है।

चौतरफा विकास का प्रतीक दनचौली: सरपंच बबीता छिल्लर गर्व से बताती हैं कि गांव की सभी गलियां पक्की हैं और चारों ओर पक्के रास्ते बने हुए हैं। बीसी चौपाल और एससी चौपाल जैसी सुविधाएं गांव के सामाजिक विकास को दर्शाती हैं। हरियाणा सरकार के प्रयासों से पानी के संरक्षण के लिए गांव में पांच जोहड़ों की खुदाई कर उन्हें धानोता नहर से जोड़ा गया है, जिससे गांव का जल स्तर लगातार सुधर रहा है। गांव के पास की पहाड़ी के नजदीक बनी गोशाला में गायों के लिए समुचित व्यवस्था की गई है।

ग्रामीण विकास मॉडल का चमकता उदाहरण: दनचौली आज महज एक गांव नहीं, बल्कि हरियाणा सरकार के ग्रामीण विकास मॉडल का एक चमकता हुआ उदाहरण बन चुका है। यहां खेल है, स्वास्थ्य है, शिक्षा है, संस्कृति है, और सबसे बढ़कर विकास है। यह गांव दिखाता है कि जब पंचायत, प्रशासन और ग्रामीण समाज एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो कोई भी गांव सपनों का भारत बन सकता है।

2020 से राष्ट्रीय खिलाड़ी जगमाल छिल्लर ने उठाया था बीड़ा: जेसी स्पोर्ट्स क्लब संस्था दनचोली गांव में सन 2020 से चल रही है। इस संस्था के संचालक जगमाल छिल्लर है, जो खुद एक मैराथन नेशनल खिलाड़ी हैं तथा 5000/10000 मीटर में सीनियर नेशनल पदक विजेता है। इसके अलावा काफी बार हाफ मैराथन विजेता रहे है। उन्होंने गांव में यह सुविधा देने का बीड़ा उठाया था। इस संस्था में कोच की भूमिका मनजीत पीटीआई व प्रीतम द्वारा निभाई जाती है, सभी प्रकार के फिजिकल की तैयारी निःशुल्क करवाई जाती है।

नारनौल। पानी की छबील लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

महात्मा ज्योतिबा फुले चौक पर छबील लगाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

भीषण गर्मी से राहत देने के उद्देश्य से शनिवार को उदय नगर महात्मा ज्योतिबा फुले चौक सिंघाना रोड बाईपास पर एक छबील का आयोजन किया गया। खास बात यह रही कि आयोजन में प्लास्टिक का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया गया, बल्कि शरबत स्टील के गिलासों में पिलाया गया। जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। महात्मा ज्योतिबा फूले बिग्रेड के संस्थापक गौतम सैनी ने बताया कि आज 5000 लोगों को ठंडा शरबत पिलाकर गर्मी में राहत देने का प्रयास किया, साथ ही पर्यावरण के प्रति अपनी उदारता दिखाते हुए स्टील के गिलासों का इस्तेमाल किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक अनिल कुमार सैनी, भगवानदास सैनी, विजय सैनी, रवि भारती, चरणजीत सैनी, शिव मित्तल, करण सैनी, संदीप सैनी, तीर्थपाल, आशीष सैनी, कृष्ण पाल, मुकेश सोनी, प्रशांत सैनी, हीरेंद्र सैनी, पूर्व सैनिक हवासिंह, यक्षित सैनी, विष्णु, जतिन सैनी ने छबील

गांव नांगल काठा में ग्रामीणों ने लगाई छबील

नारनौल। गांव नांगल काठा में ग्रामीणों ने एक अनोखी पहल करते हुए छबील लगाई है। इस छबील के माध्यम से ग्रामीणों ने गर्मी के मौसम में प्यासे लोगों को पानी पिलाने का काम किया है। ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी के मौसम में प्यासे लोगों की मदद करना एक पुण्य का काम है और वे इस काम को करने में अपना फर्ज समझते हैं। एडवोकेट दीपक यादव, लक्ष्मीनारायण दिल्ली पुलिस, संदीप मास्टर, गुलशन, खोहरा जी, मोहन एवं सुरेश हवलदार आदि ने बताया कि छबील लगाने का उद्देश्य गर्मी के मौसम में प्यासे लोगों को पानी पिलाना, समाज में सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना तथा ग्रामीणों के बीच एकता और सामुदायिक भावना को मजबूत करना है।

साइबर अपराध नियंत्रण : सिपाही पवन को डीजीपी ने दिया साइबर वॉरियर्स सम्मान

- साइबर अपराध नियंत्रण में उत्कृष्ट योगदान देने पर जिला के पुलिस जवान को डीजीपी ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। सिपाही पवन को साइबर वॉरियर्स सम्मान देते डीजीपी।

पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने साइबर अपराध नियंत्रण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले बैंक और टेलीकॉम कंपनियों के नोडल अधिकारियों, 1930 हेल्पलाइन टीम और फील्ड पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया। पंचकूला में राज्य स्तरीय 'साइबर वॉरियर्स' सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें महेंद्रगढ़ पुलिस के साइबर थाना की पुलिस टीम की से सिपाही पवन को साइबर अपराध नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्य करने पर डीजीपी के द्वारा सम्मानित किया गया।

डीजीपी ने सभी के सहयोग को सराहा

डीजीपी ने कहा कि टेलीकॉम कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी अपराध नियंत्रण में सक्रिय सहयोग दिया है। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके समर्पण, सेवा भावना और समन्वय के लिए बधाई दी और कहा कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार मिशन मोड में अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते रहें। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार साइबर थाना की टीम द्वारा साइबर अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजा जा रहा है। वहीं तत्परता से कार्रवाई करते हुए पीड़ितों की राशि वापिस दिलवाने का काम भी किया जा रहा है। पुलिस द्वारा विभिन्न माध्यमों से साइबर ठगी से बचने के लिए लोगों को अवेयर भी किया जा रहा है। साइबर थाना की पुलिस टीम द्वारा इस साल 115 शिकायतकर्ताओं की करीब 53 लाख रुपये वापिस दिलवाने का कार्य किया है।

यदुवंशी के निकेतन ने नीट में रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

यदुवंशी शिक्षा निकेतन ने नीट के परिणामों में शानदार प्रदर्शन कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। स्कूल के सभी विद्यार्थियों ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा को उत्तीर्ण किया है और 18 विद्यार्थियों ने 500 से अधिक अंक प्राप्त कर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश की राह आसान कर ली है। नीट में यदुवंशी शिक्षा निकेतन के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में मुस्कान गर्ग 845वीं रैंक, आदित्य 881 रैंक, प्रतिभा 891 रैंक, हितेश 1004 रैंक, किरण 12411 रैंक, कनिका 13029 रैंक, करुणा 2202 रैंक, अनुज यादव 2957 रैंक, निशु 3893 रैंक, सुहानी 5036 रैंक, रिषभ यादव 7014 रैंक, पायल 15451 रैंक, इशु 16773 रैंक, यश 22956 रैंक, कोमल यादव 12151 रैंक, रिमांशु 20982 रैंक, 18730 रैंक, हर्षिता बंसल 7736वीं रैंक हासिल की है। स्कूल चेयरमैन राव बहादुर सिंह, वाइस चेयरमैन अधिवक्ता करण सिंह, निदेशिका सुरेश यादव, प्राचार्य डॉ. अनंत शर्मा, उपप्राचार्य नरेश यादव ने इस शानदार उपलब्धि पर सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी है।

सीईटी करवाने में युवाओं को पोर्टल पर उलझाए सरकार: राव

- हरियाणा में ग्रुप सी व ग्रुप डी की नौकरियों के लिए बनाई गई कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट भर्ती परीक्षा आरक्षण का हक छीनने का एक और भाजपाई औजार बन गया है। राव नरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा में ग्रुप सी व ग्रुप डी की नौकरियों के लिए बनाई गई कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट भर्ती परीक्षा आरक्षण का हक छीनने का एक और भाजपाई औजार बन गया है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि बीसीए, बीसीबी, ईडब्ल्यूएस व अन्य वर्गों के लिए आवेदन करने वाले छात्र छात्राओं ने इस केटेगरी के प्रमाण पत्र पहले भी बनवा रखें हैं, मगर सरकार ने 31 मार्च के बाद के ही प्रमाण पत्र होने की शर्तें जबरन थोप दी हैं। वहीं दूसरी तरफ परीक्षा की तैयारी की बजाय बच्चे पोर्टल के चक्कर में फंस गए हैं। इस अवसर पर राव नरेंद्र सिंह ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि बच्चों की इन सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सीईटी पंजीकरण के आवेदन की अंतिम तिथि 15 से 20 दिनों के लिए बढ़ाई जाए, ताकि न केवल कोई युवा इस परीक्षा से वंचित रह सके और न ही ओबीसी, एसटी, एससी व अन्य गरीब वर्ग के बच्चों को मजबूरी में जनरल कैटेगरी में आवेदन करना पड़े।

नशे के खिलाफ लोगों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। अटेली बस स्टैंड पर लोगों को जागरूक करते निरीक्षक नीरज कुमार।

हरियाणा एनसीबी प्रमुख/पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक पंखुड़ी कुमार के नेतृत्व व उप पुलिस अधीक्षक गजेंद्र शर्मा के निर्देशन में हरियाणा में नशा तस्करों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ साथ समाज को नशे के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है, ताकि जागरूक समाज में बेहतर भविष्य का निर्माण हो सके।

इसी क्रम में ब्यूरो की यूनिट रेवाड़ी ने अटेली बस स्टेंड के पास नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक किया। राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए हरियाणा सरकार व नारकोटिक्स विभाग दृढ़ संकल्पित और निरंतर प्रयासरत है। यूनिट के इंचार्ज निरीक्षक नीरज कुमार ने जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद बुजर्गो, युवाओ, मजदूरों व अन्य व्यक्तियों को नशे के दुष्परिणाम के बारे मे अवगत करवाया और सभी को नशा न करने की शपथ भी दिलवाई। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक कुरीति है तथा हम सभी को मिलकर इसे खत्म करना है। नशा सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन को बर्बाद कर देता है। इसकी लत व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और आर्थिक स्थिति को बुरी तरह प्रभावित करती है। समाज से नशे को समाप्त करना एक लंबी और सामूहिक प्रक्रिया है, जिसमें सरकार, परिवार, शिक्षा संस्थाएं, मीडिया, और आम नागरिकों की भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने हरियाणा सरकार और एचएसएनसीबी की नमक लोटा अभियान, साइकलोथोन मुहिम, "नशा मुक्त जीवन नायाब जीवन– बेकैट चलेंज" और अन्य पहलें में शामिल होने के लिए सभी को प्रेरित किया। अंत मे उन्होंने कहा कि अगर किसी को कहीं पर भी नशा बिकता हुआ दिखाई दें तो भारत सरकार के द्वारा चलाई जा रही नशें संबंधित टोल फ्री नंबर 1933, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल NCB-MANAS.GOV.IN और हरियाणा एनसीबी के टॉल फ्री नंबर 90508-91508 या ईन्चाज रेवाड़ी के नंबर 9813136557 पर बेफिक्र होकर सूचना दें ताकि नशा तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा जा सके।

मोबाइल का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करना घातक: चेतन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ निजामपुर

निजामपुर। बीडीपीओ प्रांगण में योगासन शिविर का समापन करते आयुष विभाग के चिकित्सक।

आयुष विभाग के तत्वावधान में बीडीपीओ कार्यालय में आयोजित तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल शिविर का समापन हो गया। जिसमें आयुष विभाग के चिकित्सक चेतन यादव ने योगाभ्यास कराया है तथा युवाओं को धूम्रपान नहीं करने की हिदायत दी तथा आवश्यक होने पर ही मोबाइल इस्तेमाल करने का सुझाव दिया है। उन्होंने युवाओं को मोहल्ले वाइज योग जागरूकता अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया है, जिससे शारीरिक व मानसिक विकास संभव हो पाएगा। उन्होंने कहा कि योग क्रियाएं भारतीय प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, लेकिन जागरूकता के आभाव में युवा पीढ़ी योगासनों से अनभिज्ञ हो गई। भागदौड़ भरी जीवनशैली में खानपान की गुणवत्ता प्रभावित हो गई, जिस कारण लोग मोटापा, हाइपर टैंशन, हार्ट, शूगर व अन्य बीमारियों से पीड़ित होने लगे हैं। । 21 जून को पूरे विश्व में 11वां योग दिवस मनाया जाएगा। जिसके लिए निजामपुर बीडीपीओ कार्यालय में जिला आयूर्वेदिक अधिकारी डॉ. शशीबाला व नोडल अधिकारी डॉ. चेतन यादव के दिशानिर्देशों में योग प्रोटोकॉल शिविर निर्धारित किया गया है।

खबर संक्षेप

सरसों चोरी करने के 3 आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। पानी पीने के बहाने घर से सरसों के कट्टे चोरी करने के मामले में थाना सदर पुलिस ने तीन आरोपित गुलजार सिंह वासी नुर नगर जिला अलवर, लवजीत व हरप्रीत वासी गुरुनानक कालोनी खैरथल मंडी को गिरफ्तार किया है। स्थानीय लोगों ने पकड़कर आरोपितों को पुलिस के हवाले किया और पुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार कर उनसे कट्टे बरामद कर गाड़ी को जब्त कर लिया। आरोपितों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जैलाफ के अनुज ने पाई नीट परीक्षा में सफलता

नारनौल। गांव जैलाफ के होनहार अनुज पुत्र शीशराम ने नीट परीक्षा

परिणाम में पहले ही प्रयास में ऑल इंडिया ओबीसी रैंक 1757 प्राप्त कर सफलता हासिल कर परिवार व गांव का नाम रोशन किया है। अनुज के पिता शीशराम व मां सुनीता ने अनुज की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अनुज व प्रवीण की सफलता में बड़े भाई जगमाल व भाभी सावित्री देवी का बहुत बड़ा योगदान है। अनुज के दादा दाता राम व दादी मूर्ति, बड़े दादाजी ताराचंद ने अनुज की सफलता पर खुशी जताई है।

नांगल काठा की साक्षी ने नीट में पाए 548 अंक

नारनौल। नांगल काठा की साक्षी ने नीट परीक्षा में 548 अंक हासिल

कर एक उपलब्धि हासिल की है। साक्षी की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए दादा होशियार सिंह, दादी सूरता देवी, पिता मास्टर नवरत्न प्रकाश, माता बीना देवी ने बताया कि हमें उम्मीद है कि वे अपने मेडिकल करियर में सफलता प्राप्त करेंगी।

आज से मौसम में देखने को मिलेगा बदलाव

नारनौल। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में इस सीजन का भीषण आग उगलने वाली गर्मी का अंत व प्रचंड हीट वेव के अन्तिम दौर खात्मा हो चुका है। अब धीरे धीरे सम्पूर्ण इलाके में तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। जल्द ही मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्र मोहन ने बताया कि हरियाणा एनसीआर दिल्ली में पश्चिमी शुष्क व गर्म हवाओं से हीट वेव से आमजन को रूबरू होना पड़ रहा था।

बाइक सवार से लिफ्ट लेकर की चेन स्नेचिंग

कनीना। बाइक चालक से लिफ्ट लेकर दो महिलाओं ने चेन स्नेचिंग को अंजाम दे दिया। कनीना निवासी मनीष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सुबह साढ़े सात बजे ड्यूटी के बाद बाइक पर कनीना आ रहा था। भड़फ बस स्टैंड पर दो महिलाओं ने लिफ्ट मांगी। महिलाओं के बताए स्थान पर छोड़कर वापस आने लगा तो मालुम हुआ कि उनके गले से चेन गायब है।

पूर्व सिंचाई मंत्री के सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश

बारिश में नहरी पानी खुशहाली का आधार है, भूमिगत जल के रिचार्ज के लिए कुशलता से अधिकतम प्रयास होने चाहिए: डॉ. अभय सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से बरसात के पानी के द्वारा भूमिगत जल के रिचार्ज के लिए अधिकतम प्रयास करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वर्षा की ऋतु में लगभग तीन महीने की अवधि में मिलने वाला यह पानी इस क्षेत्र के लिए अमृत समान है। इसका अधिकतम दोहन करते हुए इसे सावधानीपूर्वक भूमिगत करने के प्रयास से ही यह इस पूरे क्षेत्र की खुशहाली का आधार बन रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा पिछले 10 वर्ष की अवधि में संपूर्ण महेंद्रगढ़ जिले में एक ऐसी जल व्यवस्था स्थापित की गई है, जिसके माध्यम से इस जिले के 80 प्रतिशत भू भाग में भूमिगत जल स्तर को पुनः जीवित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जब 2014 में सत्ता संभाली थी, तो यह क्षेत्र डार्क जोन के चरम पर पहुंच चुका था और शायद ही किसी ने यह कल्पना की होगी कि भूमि का गया हुआ जल भी दोबारा लौट सकता है, लेकिन सरकार के संकल्प ने इसे सिद्धि में प्रकट करके दिखाया।

पूर्व सीएम की व्यक्तिगत रुचि ने निदान किया

जल संग्रहण करके रबी की फसल में उपयोग होगा

डॉ. यादव ने कहा कि लिफ्ट सिंचाई सिस्टम के जीर्णोद्धार के पश्चात जब पानी उठाने की क्षमता उच्चतम स्तर पर पहुंची तो क्षेत्र को पर्याप्त पानी मिलने लगा, लेकिन इसके बावजूद भी उस समय नहर सिस्टम की न तो अधिक पानी ले जाने की क्षमता थी और न ही इस पानी को कहीं समायोजित करने का प्रावधान था। तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की इस कार्य में व्यक्तिगत रुचि ने इन सभी समस्याओं का निदान सुगम बना दिया। जहां एक तरफ क्षेत्र की दोनों सूखी नदियों दोहान और कृष्णावती को समस्त जिले की सीमा में जगह जगह पर नहर से जुड़वाया। वहीं दूसरी तरफ जिले के सभी जोहड़ों और तालाबों को नहर से सीधा जोड़ा गया है। इसके साथ ही बरसात के समय नहर में उपलब्ध पर्याप्त पानी का गांव के स्तर पर भंडारण करने का एक नायाब प्रयोग नांगल चौधरी हलके में हुआ। जहां उपलब्ध पंचायती भूमि पर चार एकड़ क्षेत्र में 15 फीट गहरे लगभग 25 गांवों में पक्के जल भंडारों का निर्माण किया गया है। इन भंडारों में जल संग्रहण करके रबी की फसल में इस जल का उपयोग हो सकेगा।

खास बातें

- हरियाणा सरकार का यह दृढ़ संकल्प ही इस असंभव काम को संभव कर पाया
- क्षेत्र के जलस्तर में अभूतपूर्व सुधार हुआ
- नदियों में अधिकतम पानी डालकर इस व्यवस्था को पूरी क्षमता पर चलाएं

दर्जनों गांवों के भूजल स्तर में होगा सुधार

इसके साथ ही पहाड़ी क्षेत्रों में कच्चे बरसाती बांधों को पक्का करवाकर न केवल उनको सुदृढ़ किया, अपितु उनकी भंडारण क्षमता भी बढ़ाई गई है। मूसनोता गांव के पहाड़ में 40 फीट ऊंचा सीमेंट कंक्रीट का 120 फुट चौड़े नाले पर बना बांध अपने आप में एक नई पहल थी। जिसमें पर्याप्त वर्षा की स्थिति में बहुत बड़ा जल भंडार बनेगा, जिससे दर्जनों गावों के भूजल स्तर में सुधार होगा।

पानी को भूमिगत करने का करें प्रयास

यादव ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से अनुरोध किया कि इस वर्ष औसत से अधिक वर्षा की संभावनाओं को देखते हुए आगामी तीन महीने में पर्याप्त पानी मिलने की संभावना है। अतः जिले में स्थापित समस्त रिचार्ज सिस्टम को कुशलता से चलाकर इस पानी को भूमिगत करने का व्यक्तिगत प्रयास करें। विशेषकर नदियों में अधिकतम पानी डालकर इस व्यवस्था को पूरी क्षमता पर चलाएं, क्योंकि नदी में डाला हुआ जल बड़ी गति से भूमिगत होता है और वह एक तरह से विशाल भूमिगत जल बैंक बनाता है। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसी विभाग के व्यापक प्रयास और कार्यकुशलता ने इस क्षेत्र की जल व्यवस्था को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब केवल इस प्रयास को उसी गति से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस बार पहाड़ों में बने बांध भी पर्याप्त वर्षा से भरेंगे और इस तरह से समस्त क्षेत्र हरा भरा और खुशहाल बनेगा।

उप नागरिक अस्पताल का एफआरयू की दिशा में पहला सफल प्रयास

कनीना अस्पताल की उपलब्धि, शानदार पहला सफल सिजेरियन ऑपरेशन

जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ, चिकित्सक स्टॉफ ने जताई खुशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

उप नागरिक अस्पताल में शनिवार को एनएचएम के अंतर्गत महिला का सिजेरियन ऑपरेशन किया गया, जो अस्पताल के एफआरयू की दिशा में पूर्ण रूप से सफल रहा। ओटी तैयार होने के बाद पहला ऑरपेशन किया गया है। एसएमओ ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि बागोत गांव की महिला डिलीवरी के आई थी।

जहां चिकित्सकों ने सभी जरूरी जांच करने उपरांत कठिनाई को देखते हुए ऑपरेशन का निर्णय लिया। अस्पताल की एसएमओ डॉ. रेनु वर्मा ने ऑपरेशन के लिए चिकित्सा विशेषज्ञों को कॉल किया। उनके आने पर अधिकतम आधे घंटे में सिजेरियन ऑपरेशन कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि 2.8 किलोग्राम वजन का बच्चा व माता दोनों स्वस्थ हैं। अस्पताल में भले ही यह पहला ऑपरेशन है। जिसे एफआरयू की दिशा में सफल कदम माना जा रहा है। ऑपरेशन करने वाली टीम में स्त्रीरोग विशेषज्ञ गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. संतोष कुमार, ऑर्थोलॉजिस्ट डॉ. आनंद कुमार, शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार के अलावा एसएमओ डॉ. रेनु वर्मा, डॉ. अंकित शर्मा, डॉ. जितेंद्र मोरवाल, स्टाफ नर्स सुमिता, राजकुमारी, पवन कुमार व अनिल कुमार, फार्मासिस्ट सतेंद्र यादव के अलावा चतुर्थ श्रेणी कर्मी अमरजीत व पवन शामिल थे।

कनीना। अस्पताल में सिजेरियन ऑपरेशन करने वाली चिकित्सक टीम व ऑपरेशन के बाद नवजात शिशु को दादी मां की गोद में सौंपते चिकित्सक। *फोटो: हरिभूमि*

सुविधाओं में होगा विस्तार

अस्पताल की तीसरी मंजिल पर बनाए गए प्री ओटी व ओटी रूम में जरूरी उपकरण हाल ही में सैट किए गए थे। एफआरयू का रास्ता खुलने के बाद यहां पर वेंटिलेटर, विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित ब्लड बैंक की भी जल्द स्थापित होने की संभावना बन गई है। 50 बेड के इस अस्पताल को पूर्ण रूप से एफआरयूए फस्ट रेफरल यूनिट का दर्जा कभी भी मिल सकता है। जिसके चलते चिकित्सको को इमरजेंसी के समय मरीजों को रेफर नहीं करना पड़ेगा। 50 बेड के उप नागरिक अस्पताल कनीना में इलेक्टो सर्जिकल यूनिट, नारनौल व महेंद्रगढ़ में सपीरोमीटर सिस्टम, रेडियंट वार्मर, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी सिस्टम मशीन, 35 डिलीवरी टेबल, दो पार्ट सीबीसी मशीन, फुली ऑटोमैटिक बायोकेम मशीन से स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार होगा।

अस्पताल में किया गया पहला ऑपरेशन डॉ. रेनु वर्मा

इस बारे में एसडीएच कनीना की प्रभारी डॉ. रेनु वर्मा ने बताया कि शनिवार को पहला ऑपरेशन किया गया, जिसे लेकर चिकित्सक स्टॉफ खुश है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में एफआरयू के समय चिकित्सा विशेषज्ञों की तैनाती के अलावा ब्लड बैंक सहित जरूरी उपकरणों की अहम आवश्यक्ता होती है। एफआरयू का दर्जा मिलने के समय यहां पर ब्लड बैंक व चिकित्सा विशेषज्ञों व उपकरणों में बढ़ोतरी होगी।

बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाना लक्ष्य: राव

इस बारे में प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह ने कहा कि प्रदेश की जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाना उनका लक्ष्य है। कनीना में 50 बेड का अस्पताल भाजपा सरकार में ही बनकर तैयार हुआ है। इस भवन को 100 बेड का विस्तारित करने सहित चिकित्सकों एव आधुनिक उपकरणों सहित तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयास जारी हैं। जल्द ही अस्पताल को एफआरयू का दर्जा दिया जाएगा। एफआरयू होने के बाद यहां आमजन को बेहतर स्वास्थ सुविधाएं मिलने लगेगी।

नारनौल। गांव जाकर पेयजल स्त्रोतों के सैंपल लेते हुए मोबाइल लैब की टीम।

मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब से गांव में ही पेयजल की गुणवत्ता की जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- हर उपभोक्ता को मिले तय मानकों वाला पेयजल : मंगतुराम सरसवा

हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जल जीवन मिशन के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से प्रदेश के लोगों को गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध करवाने हेतु मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब गांव गांव जाकर पेयजल स्त्रोतों की रासायनिक जांच कर रही है। एक जून को रेवाड़ी से नारनौल पहुंची यह मोबाइल लैब अब तक खंड नारनौल, निजामपुर और नांगल चौधरी की ग्राम पंचायतों में पेयजल स्त्रोतों की जांच कर चुकी है। वहीं अब यह लैब खंड सिहमा के गांवों के दौरे पर है। जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि शनिवार को मोबाइल लैब ने सिहमा खंड के शहरपुर, नूनी कलां, सलूनी, छापड़ा सलीमपुर, सुराना, सुरानी, गुवानी व खतरीपुर गांवों में पेयजल स्त्रोतों की जांच की। उन्होंने बताया कि सिहमा खंड के बाद यह मोबाइल लैब अटेली, कनीना होते हुए महेन्द्रगढ़ व सतनाली खंड की ग्राम पंचायतों में पेयजल स्त्रोतों की जांच करेगी। सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश के हर उपभोक्ता को बीआईएस 10500 मानकों के अनुरूप शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो, ताकि सबका स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके।

आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित मोबाइल लैब

जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। जिससे मौके पर ही जल की गुणवत्ता की जांच की जा सकती है। यह लैब दूर दराज एवं दुर्गम क्षेत्रों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। साथ ही महामारी या आपातकालीन परिस्थितियों में इसे किसी भी गांव में अस्थायी स्थायी लैब के रूप में स्थापित किया जा सकता है। इस मोबाइल लैब का मुख्य उद्देश्य आमजन को पीने के पानी की गुणवत्ता के प्रति जागरूक करना है, साथ ही जल संरक्षण का संदेश भी देना है।

नायब तहसीलदार ने सुनी समस्याएं

- अटेली के नायब ने अपने निवास पर लगाया दरबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

कॉलेज में फॉर्म भरने की अंतिम तिथि नजदीक आती जा रही है। फॉर्म भरने वाले आवेदन करने वालो की तकलीफें बढ़ती जा रही हैं। उनके रिहायशी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र व अन्य प्रमाण पत्र को लेकर जगह-जगह प्रार्थी घूम रहे हैं। उनकी इस परेशानी को देखकर अटेली तहसील के नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल ने अपने निवास उनिंदा में अपने कमरे पर ही बच्चों के प्रमाण पत्र सत्यापित करने के लिए छुट्टी के दिन भी दरबार लगाया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में आवेदक अपना फार्म सत्यापित करवाने के लिए पहुंचे। नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल ने बताया कि अब स्कूल कॉलेज में वह सीईटी के फॉर्म की तारीख नजदीक होते हुए वह पोर्टल सुचारू रूप से नहीं चलने की वजह से प्रार्थी इधर-उधर घूमते हुए नजर आ रहे थे। जब इनको देख तो उनके लिए छुट्टी का दिन होते हुए अपने कमरे पर उनकी समस्या समाधान व उनके फार्म सत्यापित करने के लिए दरबार लगाया और सभी पटवारियों को आदेश भी दिए गए कि उनकी वजह से कोई बच्चा फॉर्म भरने से वंचित न रहे। इसके लिए उन बच्चों का काम सबसे पहले तत्परता से करें, ताकि वह समय पर अपना फॉर्म भर सकें। इस दरबार में सैकड़ों की संख्या में प्रार्थी पहुंचे, जिन्होंने छुट्टी के दिन का भी लाभ उठाया।

मंडी अटेली। उनिंदा में छुट्टी के दिन भी नायब तहसीलदार कार्य करते हुए।

अस्पताल में रक्तदान के प्रति किया जागरूक

- नारनौल अस्पताल में प्रति वर्ष लगभग 5000 यूनिट रक्त होता है संग्रहित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शनिवार को नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व को उजागर करना और नियमित रक्तदाताओं को सम्मानित कर अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित करना था। ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. संगीता यादव ने इस अवसर पर जानकारी दी कि नागरिक अस्पताल में प्रति वर्ष लगभग 5000 यूनिट रक्त संग्रहित किया जाता है। यह रक्त थैलेसीमिया, हीमोफीलिया, गर्भावस्था से संबंधित जटिलताओं, दुर्घटना पीड़ितों और कैंसर रोगियों सहित गंभीर परिस्थितियों में मरीजों के लिए जीवन रक्षक साबित होता है। डॉ. यादव ने बताया कि रक्तदान न केवल दूसरों की जान बचाने का माध्यम है, बल्कि यह स्वयं रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक होता है। रक्तदान से शरीर में नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है और यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक कर्तव्य है, जिसे हर स्वस्थ व्यक्ति को निभाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में कई नागरिकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

नारनौल। रक्तदाताओं को बैज लगाकर रक्तदान शिविर का शुभारंभ करती डॉ. संगीता यादव। *फोटो: हरिभूमि*

संकल्प लिया

इस अवसर पर सेल्फी प्वाइंट एवं जागरूकता दीवार पर रक्तदान के महत्व और उससे जुड़े तथ्यों को प्रदर्शित किया गया। इस मौके पर विशेषज्ञों ने रक्तदान से संबंधित गलत धारणाओं को दूर किया। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सकों, स्टाफ सदस्यों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आम नागरिकों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। सभी ने रक्तदान को एक जन आंदोलन का रूप देने और समाज में इसे बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

कांग्रेस संगठन के चुनाव में बदलाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला महेंद्रगढ़ में कांग्रेस का संगठन बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की बैठक लेने का शेड्यूल बदल गया है। अब नए शेड्यूल के अनुसार 15 से 17 जून तक कार्यकर्ताओं से रायशुमारी की जाएगी। पहले यह 13 जून से शुरू होनी थी, मगर किसी कारणवश बीच में दो दिन का ब्रेक दे दिया गया। जिला महेंद्रगढ़ में कांग्रेस का संगठन मजबूत करने तथा कांग्रेस में संगठनात्मक चुनाव करवाने के लिए राजस्थान के श्रीगंगानगर के सांसद कुलदीप इंदौरा की ड्यूटी लगाई गई है। इसके तहत उन्होंने गत 12 जून को नारनौल में प्रेसवार्ता कर कार्यक्रम की पूरी जानकारी दी थी। जिसके तहत उन्होंने बताया था कि सबसे पहले जिला प्रधान का चुनाव किया जाएगा, जो सर्वसम्मति से कराने की पूरी कोशिश की जाएगी। जिला प्रधान की घोषणा जुलाई माह के पहले सप्ताह में कर दी जाएगी। इसके लिए उन्होंने 12 जून को जिला भर से आए लोगों से रायशुमारी की थी। इसके बाद विधानसभा वाइज कार्यकर्ताओं से मिलना था। इसका कार्यक्रम तय हो गया था, मगर ऐन वक्त पर इस कार्यक्रम में बदलाव कर दिया गया। इसके तहत अब 15 से 17 जून तक विधानसभा के लोगों व कार्यकर्ताओं से मुलाकात की जाएगी। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद शीर्ष नेताओं ने मंथन किया और निर्णय लिया कि संगठन की कमी के कारण सरकार नहीं बन पाई। इसलिए शीर्ष नेतृत्व द्वारा जिला, ब्लॉक, मंडल और बूथ स्तर पर कार्यकारिणी के गठन पर जोर दिया जा रहा है।

अब यह रहेगा शेड्यूल

15 जून (रविवार) को अटेली विधानसभा के कनीना, नारनौल विधानसभा, महेंद्रगढ़ विधानसभा के सतनाली व महेंद्रगढ़ (रेस्ट हाउस महेंद्रगढ़ में) ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक और प्रमुख नेताओं से मुलाकात करेंगे। 17 जून (मंगलवार) को नांगल चौधरी विधानसभा में नांगल चौधरी और निजामपुर (विधानसभा नांगल चौधरी) तथा अटेली विधानसभा में बैठकें आयोजित की जाएंगी। जहां ब्लॉक कार्यकर्ताओं से मुलाकात की जाएगी।

कार्यक्रम में केक काटकर दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

स्लम एरिया टैलेंट में मनाया पितृ समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

स्लम एरिया टैलेंट के तत्वावधान में रविवार को संस्था के इंदिरा कालोनी स्थित परिसर में पितृ दिवस समारोह का आयोजन किया गया। संस्था के प्रभारी हनी गुप्ता ने बताया कि पितृ दिवस पर संस्था के कैम्पस में पिता पूजन व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि सामाजसेवी नरेश यादव पटीकरा मौजूद थे। अध्यक्षता प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि रोटेरियन पवन यादव, अरोड़ा सभा के प्रधान नरेश गोगिया, युवा साथी ग्रुप के प्रधान टिंकू दहिया, हस्ती जनकल्याण समिति से मनोज यादव, जियो गीता परिवार से घनश्याम गर्ग, संदीप राव पटीकरा थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्लम एरिया टेलेंट के बच्चों ने मेहमानों व पिताओं को तिलक लगाकर किया। इसके उपरांत बच्चों ने नृत्य, गीत और अनेक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मेहमानों व अभिभावकों का मन मोह लिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि नरेश यादव ने कहा कि स्लम एरिया में बच्चों को इतना टेलेंटेड बनाना सरल कार्य नहीं है। पिता दिवस पर बच्चों की प्रस्तुतियां दिशाओं को प्रदर्शित कर रही है। अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि संस्था ने भारतीय संस्कृति और मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए मातृ पितृ पूजन दिवस का आयोजन किया।

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। *फोटो: हरिभूमि*

युवा कवि ओशिन शुक्ला ने समां बांधा

युवा कवि ओशिन शुक्ला ने माता पिता पर शानदार कविता प्रस्तुत कर समां बांध दिया। विशिष्ट अतिथि पवन यादव व नरेश गोगिया ने भी बच्चों को संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले बच्चों को मेडल प्रदान किए गए। पितृ दिवस उपस्थित सभी अभिभावकों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया व केक काटकर पिता दिवस मनाया गया। इस मौके पर मनोज यादव, टिंकू प्रधान, संदीप राव, सोमदेव जांगिड़, विवेक, प्रमोद सैनी, साहिल सैनी, कार्तिक सैनी, घनश्याम गर्ग, ओशिन शुक्ला, दीपक गर्ग, विनय कुमार आदि मौजूद थे।